

भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी की साहित्य की समीक्षा

Ranjit A. Ingavale^{1*} Dr. Sanjeev Sakiya²

¹ PhD Student, Kalinga University, Raipur

² PhD Guide, Kalinga University, Raipur

सार - भारत का राष्ट्रीय खेल है तथा भारत में हॉकी के खेल को स्थापित करने का श्रेय अंग्रेजों को जाता है। सन् 1885-86 में कलकत्ता में हॉकी क्लब बना तथा इसके पश्चात् बम्बई एवं पंजाब में हॉकी क्लबों की स्थापना हुई। 1903 में पंजाब विश्वविद्यालय के खेलों में हॉकी को एक प्रमुख खेल के रूप में स्वीकार कर लिया गया तथा लगभग इसी समय लाहौर के जिमखाना क्लब ने हॉकी की पहली खुली प्रतियोगिता की शुरुआत की।

भारत में सर्वप्रथम 1908 में बंगाल हॉकी एसोसिएशन की स्थापना हुई तथा इसके पश्चात् 1919 में आर्मी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, 1920 में कराची हॉकी एसोसिएशन तथा 1923 में बिहार, ग्वालियर, दिल्ली व उड़ीसा में हॉकी एसोसिएशन की स्थापना हुई।



प्रस्तावना

भारत में हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण इस खेल को स्थापित करने के उद्देश्य से 7 सितम्बर, 1925 को ग्वालियर में प्रान्तीय हॉकी संघ के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई जिसमें राष्ट्रीय स्तर के संघ की स्थापना हेतु विचार-विमर्श किया गया तथा काफी विचार-विमर्श के पश्चात् 'भारतीय हॉकी फेडरेशन' का गठन किया गया जिसका अध्यक्ष कर्नल ब्रुस टर्नबुल को बनाया गया तथा सचिव एन.एस. अंसारी को बनाया गया।

भारत में भारतीय हॉकी फेडरेशन की स्थापना के पश्चात् पहली बार सेना के झंडे तले भारतीय हॉकी टीम न्यूजीलैण्ड के दौरे पर गयी तथा भारतीय टीम में जादूगर के नाम से प्रसिद्ध खिलाड़ी ध्यानचन्द भी थे। उस समय भारत की टीम ने न्यूजीलैण्ड में 21 मैच खेले जिनमें से भारतीय टीम ने 18 मैच जीते, एक मैच हारा तथा दो मैच बराबर रहे। 21 मैचों में से 18 मैचों में विजय प्राप्त कर भारतीय टीम ने हॉकी में अपने इरादों को दर्शा दिया था। न्यूजीलैण्ड के विरुद्ध किये गये प्रदर्शन के कारण ही भारत का 1928 में एम्सटर्डम ओलम्पिक खेलों में शामिल किया गया था।

1927 में भारतीय हॉकी फेडरेशन के मुख्यालय को ग्वालियर में हटाकर दिल्ली लाया गया। तथा मेजर इयान

वर्प मरजेक को अध्यक्ष बनाया गया। हॉकी के खेल को भारत में काफी प्रसिद्ध मिली तथा 1928 से लेकर 1956 तक आयोजित ओलम्पिक खेलों में भारत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किये तथा इसी के साथ-साथ भारत की हॉकी टीम ने श्रीलंका, जर्मनी, चेकोस्लोवाकिया, सिंगापुर, इटली, स्पेन, जापान, नीदरलैण्ड, स्पेन, अमेरिका, न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया आदि देशों की टीमों से औपचारिक एवं अनौपचारिक खेले गये मैचों में अपनी धाक जमाई।

साहित्य की समीक्षा

Tenenbaum गेशॉन et. al. (2011) आक्रामकता और इस खेल में हिंसा पर खेल मनोविज्ञान की स्थिति स्टैंड में अंतर्राष्ट्रीय अंतपमजल को ज़मतत के पत्युत्तर के जवाब पर एक अध्ययन किया, इस उत्तर का खंडन केर की काफी एथलीटों और दर्शकों के बीच आक्रामकता को कम करने के लिए। विशेष रूप से, इस अध्ययन केर के आरोपों के जवाब हैं कि पी एस खेल में आक्रामकता के पीछे प्रेरणा की समझ प्रदान करने में विफल रहता है, अनुचित मीडिया के प्रभाव के बारे में, और गलत तरीके से निष्कर्ष आक्रामक कृत्यों पदसिंउपदह के लिए अधिकारियों को दोषी ठहराया है। समर्थन पी एस साबित करने के लिए पेशकश की है। फ्रैंक (2011) छह विकासशील देशों से संबंधित खिलाड़ियों के मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल का अध्ययन किया 16 पीएफ

दिलाई। अध्ययन आम सहमति का समर्थन किया है कि पुरुष और महिला अलग व्यक्तित्व प्रोफाइल दिखाया गया है।

McCarthy and Kelly (2010) द्वारा आक्रामकता का आईस हॉकी खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार उच्च स्तर की आक्रामकता दर्शाने वाले खिलाड़ियों के गोल करने का औसत, निम्न स्तर की आक्रामकता दर्शाने वाले खिलाड़ियों से अधिक पाया गया।

Williams and Parkin (2011) ने उच्च, निम्न तथा मध्यम स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाले हॉकी खिलाड़ियों के व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु कैटेल 16 पी.एफ. प्रश्नावली द्वारा आंकड़ों का संकलन किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार 2010 की ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता टीम के हॉकी खिलाड़ियों का व्यक्तित्व प्रोफाइल, क्लब एवं प्रांत स्तर के हॉकी खिलाड़ियों से सार्थक रूप से भिन्न पाया गया।

Hermiston (2009) ने हॉकी खेल कौशल के आंकलन के लिये प्रयुक्त तीन विधियों का तुलनात्मक अध्ययन किया। 12 से 20 वर्ष आयु के 90 हॉकी खिलाड़ियों पर यह अध्ययन किया गया। हॉकी खिलाड़ियों के खेल कौशल को मापने के लिये प्रयुक्त तीन विधियों का अध्ययन किया।

Sharma and Shukla (2010) ने राज्य स्तरीय खेल प्रदर्शन करने वाले धावकों, वालीबॉल, क्रिकेट एवं हॉकी खिलाड़ियों की शारीरिक रचना का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु चयनित सभी न्यादर्श उत्तरप्रदेश राज्य के थे। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार endomorph आयाम पर लंबी दूरी के धावक, श्रोइंग तथा वालीबॉल के खिलाड़ियों के मध्य सार्थक भिन्नता दिखायी दी। साथ ही mesomorphy and ectomorphy आयाम पर हॉकी, वालीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल एवं लंबी दूरी के धावकों के मध्य सार्थक भिन्नताएँ दिखायी दी।

Chapman (2011) ने हॉकी खेल में गेंद पर नियंत्रण करने की कला के आंकलन के लिये बनायी चैपमैन बॉल कंट्रोल टेस्ट की वैधता ज्ञात करने के लिये यह अध्ययन किया। अध्ययन हेतु महाविद्यालयीन स्तर के 23 हॉकी खिलाड़ियों पर यह परीक्षण किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार चैपमैन बॉल कंट्रोल टेस्ट की वैधता गुणांक .89 पाया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर यह

निष्कर्ष निकाला गया कि गेंद पर नियंत्रण करने की कला के आंकलन हेतु यह परीक्षण विश्वसनीय एवं वैध है।

Bhanot (2014) ने हॉकी खिलाड़ियों के मैच के दौरान खेलने के स्थान एवं anaerobic power का अध्ययन किया। अध्ययन हेतु 90 भारतीय पुरुष हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया जिसमें 10 गोलकीपर, 16 बैक, 20 हाफ बैक तथा 44 फार्वर्ड पोजिशन पर खेलने वाले खिलाड़ी शामिल थे। अध्ययन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गोलकीपर में सर्वाधिक तथा फार्वर्ड में सबसे कम anaerobic power था। रक्षात्मक स्थान पर खेलने वाले खिलाड़ियों में लेफ्ट बैक, राइट बैक की तुलना में अधिक anaerobic power पाया गया जबकि सेंटर हाफ बैक में लेफ्ट तथा राइट हाफ बैक की तुलना में अधिक anaerobic power पायी गयी। फार्वर्ड पोजिशन पर खेलने वाले खिलाड़ी, लेफ्ट आऊट एवं राऊट आऊट पोजिशन पर खेलने वाली खिलाड़ी से अधिक वजन के पाये गये तथा उनकी anaerobic power भी अधिक थी।

Bale (2014) ने 43 उच्च स्तरीय महिला हॉकी खिलाड़ियों का उनके खेलने के स्थान के आधार पर एक मानवमितीय अध्ययन किया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार हाफ बैक एवं फार्वर्ड खिलाड़ियों का वजन बैक एवं गोलकीपर की तुलना में कम पाया गया, साथ ही हाफ बैक तथा फार्वर्ड महिला खिलाड़ियों के शरीर में वसा का प्रतिशत गोलकीपर एवं बैक पोजिशन पर खेलने वाली महिला खिलाड़ियों की तुलना में कम पाया गया।

Toriola (2007) ने हॉकी, बास्केटबॉल तथा फुटबॉल में उच्च स्तरीय खेल प्रदर्शन करने वाले पुरुष खिलाड़ियों एवं धावकों के मध्य शारीरिक विन्यास का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये 14 हॉकी खिलाड़ी, 12 बास्केटबॉल खिलाड़ियों, 10 धावकों एवं 15 फुटबॉल खिलाड़ियों का चयन किया गया। अध्ययन हेतु सोमेटोटाइप की गणना हीथ कार्टर द्वारा सुझायी गयी पद्धति द्वारा की गयी। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार धावक तथा बास्केटबॉल खिलाड़ियों की एक्टोमोर्फ रेटिंग, हॉकी खिलाड़ियों से अधिक पायी गयी जबकि सोमेटोटाइप की अन्य श्रेणियों पर विभिन्न समूहों के मध्य कोई सार्थक भिन्नता दिखायी नहीं दी।

Slater (2010) ने हॉकी टीम की एकजुटता (cohesion) तथा टीम की सफलता के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के

उद्देश्य से यह अध्ययन किया। अध्ययन हेतु खेल सत्र के बीच में तथा खेल सत्र के अंत में बवीमेपवद तथा टीम द्वारा जीत-हार के आंकड़ों का संकलन किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार बवीमेपवद तथा टीम की सफलता के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया विशेषकर सामाजिक एकजुटता (locally oriented cohesion) तथा टीम की सफलता के मध्य।

Sodhi et. al. (2011) द्वारा छोटा नागपुर एवं उत्तर भारत के पुरुष हॉकी खिलाड़ियों की शारीरिक बनावट एवं खेल कौशल का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु छोटा नागपुर क्षेत्र के 150 पुरुष हॉकी खिलाड़ी एवं उत्तर भारत से 150 पुरुष हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। सभी न्यादर्श 14 से 16 वर्ष के मध्य के थे। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि उत्तर भारतीय हॉकी खिलाड़ी वजन, स्किनफोल्ड में छोटा नागपुर क्षेत्र के खिलाड़ियों से श्रेष्ठ थे। उत्तर भारतीय खिलाड़ी, छोटा नागपुर क्षेत्र के खिलाड़ियों की अपेक्षा एंडोमोर्फिक पाये गये जबकि छोटा नागपुर क्षेत्र के खिलाड़ी, उत्तर भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की तुलना में मेसोमोर्फिक शरीर रचना के दिखायी दिये। दोनों ही चयनित समूहों में खेल कौशल एवं शारीरिक क्षमता में कोई सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी।

Terry et. al. (2012) द्वारा 128 ब्रिटिश विश्वविद्यालयीन हॉकी खिलाड़ियों के व्यवहार पर एक अध्ययन किया। यह परीक्षण ब्रिटेन के विश्वविद्यालयीन स्तरीय हॉकी ट्रायल प्रतियोगिता के पूर्व किया गया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ट्रायल पूर्व परीक्षण में प्राप्त व्यवहार से किसी खिलाड़ी के चयनित होने या न होने का प्रतिशत 57.81 प्रतिशत है जबकि चिंता आयाम पर यह प्रतिशत 64.84 है।

Wrisberg (1997) ने फील्ड हॉकी में पेनाल्टी शूट के दौरान Positively worded performance reminder (PR), negatively worded performance reminder(NR) प्रभाव ज्ञात करने के उद्देश्य से यह अध्ययन किया। अध्ययन हेतु कुल 21 बेसलाइन ट्रायल लिये गये। प्रथम पेनाल्टी शूट के बाद खिलाड़ियों ने 3 मिनट के विश्राम के बाद पुनः 4 पेनाल्टी शाट लगाये। अध्ययन हेतु तीन समूह बनाये गये। कंट्रोल समूह ने 3 मिनट केवल विश्राम किया जबकि च्त् समूह को इस प्रकार निर्देशित किया गया कि पेनाल्टी शाट लेते समय गेंद पर नजर रखो, वहीं छत् समूह को यह कहा गया कि पेनाल्टी शाट लेते समय शाट लेने में जल्दी मत

करो। इस प्रकार दक समूहों को धनात्मक एवं धनात्मक एवं ऋणात्मक कथन प्रेषित किये गये।

Fergusson (2009) ने कॉलेज हॉकी खिलाड़ियों में खान-पान संबंधी विकृतियों पर एक अध्ययन किया । अध्ययन हेतु 30 कॉलेज हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया । अध्ययन में न्यादर्श के तीन दिन के खान-पान के रिकॉर्ड, उनकी ऊँचाई तथा वजन का मापन किया गया । अध्ययन से ज्ञात हुआ कि छात्रों के खान-पान में औसतन 2759 कैलोरी, 53 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट एवं 25 प्रतिशत वसा की मात्रा है जो कि आवश्यक मानकों से कम है।

Sparling (2010) द्वारा 1996 ओलंपिक में भाग लेने वाली अमेरिका की राष्ट्रीय महिला फील्ड हॉकी टीम के खिलाड़ियों के संदर्भ में हड्डियों एवं लवण का घनत्व (bone-mineral density) एवं शरीर में वसा के प्रतिशत का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु bone mineral density तथा शरीर में वसा के प्रतिशत का मापन Lunar DPX-LUnit Software द्वारा किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार 1996 ओलंपिक में भाग लेने वाली अमेरिकी महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों के शरीर में bone mineral density तथा शरीर में वसा का प्रतिशत स्पर्धा में भाग लेने वाली अन्य देशों की महिला हॉकी खिलाड़ियों से कम था।

Bell (2000) ने खेल सत्र के दौरान हाकी खिलाड़ियों के फेफड़ों Pulmonary एवं धमनियों A Arterial Desaturation में होने वाले परिवर्तन एवं उसका उनके खेल कौशल पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। 16 पुरुष हाकी खिलाड़ी जिनकी औसत आयु 22 वर्ष थी, का चयन अध्ययन हेतु किया गया। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि खेल सत्र के अंत तक खिलाड़ियों के फेफड़ों एवं धमनियों के कार्य करने की क्षमता में कमी आती है जिससे खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ता है।

Karen (2001) द्वारा खेल के दौरान महिला हॉकी खिलाड़ियों को लगने वाली चोटों का अध्ययन किया। अध्ययन हेतु शालेय, विश्वविद्यालयीन एवं राष्ट्रीय स्तर की 158 महिला हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार खेल के दौरान पैर के निचले हिस्से में (51 प्रतिशत), सिर एवं मुंह पर (34 प्रतिशत) तथा शरीर के उपरी हिस्से में (15 प्रतिशत) चोटे लगती हैं। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार मिडफील्ड में खेलने वाली

महिला हॉकी खिलाड़ियों में चोटग्रस्त होने का प्रतिशत अन्य स्थानों पर खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों से अधिक पायी गयी।

Demuth (2007) ने चीन, मलेशिया, पोलैंड एवं स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय टीम में खेलने वाले हॉकी खिलाड़ियों की शरीर रचना एवं सोमेटोटाइप का तुलनात्मक अध्ययन किया। सोमेटोटाइप की गणना मानवमिति आधार पर की गयी। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार चीन की राष्ट्रीय टीम में खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी, मलेशिया, पोलैंड एवं स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय टीम के हॉकी खिलाड़ियों से अधिक मेसोमोर्फ (Mesomorphic) पाये गये।

Bowers (2008) ने फील्ड हॉकी में खेल के दौरान हाथ या अंगुलियों पर लगने वाली चोटों के परिप्रेक्ष्य में एक तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु महाविद्यालयीन स्तरीय हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। Injury Surveillance System में चोट से संबंधित दर्ज 16 वर्ष के आंकड़ों को प्रयोग में लाया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि फील्ड हॉकी में हाथ पर लगने वाली चोटों का प्रतिशत, स्टिक से खेले जाने वाले अन्य खेलों यथा आईस हॉकी, लेक्रोसे लेक्रोसे की तुलना में अधिक है। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार यह सुझाव दिया गया कि फील्ड हॉकी में हाथों पर लगने वाली चोटों से बचाव के लिये सुरक्षात्मक दस्ताने या ग्लव्स अनिवार्य किये जाने चाहिए।

Kruger (2010) ने उच्च तथा मध्यम स्तर पर खेल प्रदर्शन करने वाली महिला हॉकी खिलाड़ियों के खेल मनोवैज्ञानिक गुणों का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु जर्मनी की डिवीजन ए तथा बी में भाग लेने वाली 106 महिला हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया।

Sharma et. al. (2012) ने मानवमितीय आयामों का भारतीय हॉकी खिलाड़ियों की शारीरिक दक्षता के साथ सहसंबंध ज्ञात करने के उद्देश्य से यह अध्ययन किया। अध्ययन हेतु 25 राष्ट्रीय एवं 25 जिला स्तरीय हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार राष्ट्रीय एवं जिला स्तरीय हॉकी खिलाड़ियों के शरीर के निचले हिस्से की शक्ति में सार्थक भिन्नता पायी गयी। सहसंबंधात्मक अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि पुरुष हॉकी खिलाड़ियों की ऊँचाई का सार्थक सहसंबंध बायें एवं दायें हाथ की पकड़ शक्ति के साथ पाया

गया जबकि शरीर में वसा के प्रतिशत एवं ड्रिबलिंग परीक्षण पर प्राप्त मान के साथ ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। हॉकी खिलाड़ियों के वजन को सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध बायें एवं दायें हाथ की पकड़ शक्ति के साथ दिखायी दिया किन्तु वजन का ऋणात्मक सहसंबंध स्लेलम स्पिंट एवं शरीर के निचले भाग की शक्ति के साथ पाया गया।

Asghar (2012) ने जर्मनी एवं साऊथ एशिया के उदीयमान युवा हॉकी खिलाड़ियों के शरीर क्रियात्मक, सामाजिक प्रोफाइल तथा मनोवैज्ञानिक गुणों का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन हेतु 12-18 वर्ष आयु समूह के कुल 227 हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया जिसमें भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान एवं जर्मनी के उदीयमान युवा हॉकी खिलाड़ियों का समावेश किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार जर्मनी एवं साऊथ एशिया के खिलाड़ियों के मध्य मनोवैज्ञानिक, शरीर क्रियात्मक एवं सामाजिक प्रोफाइल आयामों पर सार्थक भिन्नताएँ पायी गयीं। जर्मनी के खिलाड़ियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा, आत्म विश्वास एवं खेल के प्रति लगन सार्थक स्तर पर अधिक पायी गयी। इसके अतिरिक्त जर्मनी के हॉकी खिलाड़ियों में विद्यमान चिंता का स्तर साऊथ एशिया के खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर कम पाया गया। जर्मनी के खिलाड़ी सामाजिक रूप से भी साऊथ एशिया के खिलाड़ियों की तुलना में अधिक सुदृढ़ पाये गये क्योंकि उन्हें परिनाव का समर्थन अधिक प्राप्त था। अध्ययन से प्राप्त अन्य परिणामों के अनुसार पाकिस्तान के हॉकी खिलाड़ियों में परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता अन्य देश यथा जर्मनी, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं भारत के हॉकी खिलाड़ियों की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक पायी गयी।

Tripathi et. al. (2013) ने हॉकी तथा ट्रैक एवं फील्ड में भाग लेने वाले एथलिट्स के मध्य आत्म विश्वास का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार हॉकी खिलाड़ियों में आत्म विश्वास, ट्रैक एवं फील्ड में भाग लेने वाले एथलिट्स की तुलना में सार्थक स्तर पर अधिक था।

Jayaratham and Dileep (2013) ने फील्ड हॉकी खिलाड़ियों के मनोवैज्ञानिक गुणों पर योग प्रशिक्षण के पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। यह अध्ययन 60 हॉकी खिलाड़ियों पर किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के

अनुसार योग प्रशिक्षण के उपरांत विश्वविद्यालयीन खिलाड़ियों में विद्यमान चिंता, आक्रामकता तथा आत्म विश्वास में सार्थक परिवर्तन दिखायी दिये। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि छह सप्ताह के योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत खिलाड़ियों की चिंता तथा आक्रामकता में कमी आयी वहीं उनके आत्म विश्वास में बढ़ोतरी हुई।

Peter (2013) ने बुद्धि का हॉकी खेलने की योग्यता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन हेतु 25 अंतर्विश्वविद्यालयीन पुरुष हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। अध्ययन हेतु बुद्धि का आंकलन जलोटा बुद्धि परीक्षण से तथा हॉकी कौशल का आंकलन हरबंश सिंग हॉकी कौशल परीक्षण द्वारा किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार समग्र रूप से हॉकी खेलने की योग्यता का सार्थक एवं धनात्मक सहसंबंध खिलाड़ियों की बुद्धि के साथ पाया गया किन्तु हॉकी कौशल आयामों का सार्थक सहसंबंध एकल रूप से बुद्धि के साथ दिखायी नहीं दिया।

Nathan et. al. (2013) ने तथा तकनीकी प्रशिक्षण मॉडल का भारतीय जूनियर हॉकी खिलाड़ियों के कौशल आयामों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। यह अध्ययन 14 से 17 वर्ष आयु समूह के जूनियर हॉकी खिलाड़ियों पर किया गया। अध्ययन हेतु चयनित न्यादर्श को प्रयोगात्मक एवं नियंत्रण समूह में विभक्त कर यह परीक्षण किये गये। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार तकनीकी प्रशिक्षण मॉडल की अपेक्षा TGFU मॉडल द्वारा प्रशिक्षित हॉकी खिलाड़ियों की गेंद पर नियंत्रण की क्षमता, निर्णयन क्षमता, तथा हृदय नाड़ी गति में सार्थक रूप से अधिक सुधार देखा गया।

अध्ययनकर्ता द्वारा संवेगात्मक बुद्धि एवं आक्रामकता के परिप्रेक्ष्य में हुए अध्ययनों को भी कालक्रमिक रूप से प्रस्तुत किया है।

Fletcher and Dowell (2011) ने हाईस्कूल में अध्ययनरत छात्रों में विद्यमान आक्रामकता का अध्ययन खेलों में सहभागिता के आधार पर किया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार खिलाड़ी छात्रों में आक्रामकता का स्तर गैर खिलाड़ी छात्रों की तुलना में सार्थकता स्तर पर अधिक पाया गया।

Zillman et. al. (2010) द्वारा कान्टेक्ट तथा नॉन कान्टेक्ट खेलों में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयीन खिलाड़ियों तथा

गैर-खिलाड़ियों की आक्रामकता का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार उकसाने वाली परिस्थितियों एवं सामान्य परिस्थिति में तीनों समूहों की आक्रामकता में कोई भिन्नता दिखायी नहीं दी।

उपसंहार

फील्ड हॉकी में ड्रिबलिंग के दौरान पीठ एवं मेरुदंड में होने वाले खिंचाव एवं Physiological Strain पर यह शोध कार्य किया। अध्ययन हेतु 7 पुरुष हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित न्यादर्श को Treadmill पर 5 मिनट की अवधि तक 8 एवं 10 कि.मी. की गति से दौड़ाया गया। इसी प्रकार ड्रिबलिंग के दौरान भी न्यादर्श की गति को इसी अनुसार नियंत्रित किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार Spinal Length Esa Shrinkage 0.4 उठ पाया गया, जो कि अन्य शारीरिक क्रियाओं से तुलनात्मक रूप से कहीं अधिक पाया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि ड्रिबलिंग के दौरान शरीर की एक विशिष्ट संस्थिति (Postural Position) के कारण ही खिलाड़ियों में Physiological Strain and Spinal Loading in Eucess of Orthodo Motion का मुख्य कारण है।

संदर्भ

- कपिल, एच. के. "अनुसंधान विधियाँ", एच. पी. भार्गव बुक हाऊस, 4/230, कचहरी घाट, आगरा
- M.L. कमलेश और एम एस **Sangral**, "सिद्धांतों और शारीरिक शिक्षा का इतिहास" (लुधियाना, प्रकाश ब्रदर्स, 2001) पृ.सं. 42.
- भूपिंदर सिंह, "खेल समाजशास्त्र: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" (मित्र प्रकाशन, भारत), 2004, पृ.सं. 1
- रॉबर्ट ए Pestles और बेकर Chide, शारीरिक शिक्षा का परिचय: एक समकालीन करियर दृष्टिकोण 2nd, पृ.सं. 145
- आर.बी. Aldermen, "खेल में मनोवैज्ञानिक व्यवहार" डब्ल्यू बी सॉन्डर्स कंपनी लंदन, (1994), पृ.सं. 127-129.
- सिल्वा तृतीय और वेनबर्ग, मनोवैज्ञानिक आधार खेल, पृष्ठ. 35

रिचर्ड एम Sunin में खेल मनोविज्ञान: तरीके और अनुप्रयोग (दिल्ली: सुरजीत प्रकाशन, 2002), पृ.सं. 150

एडमोंटन, पी, Fournier, जे, और Vaire-Douret, एल (2006). फ्रेंच खेल सेटिंग्स में इष्टतम मनोवैज्ञानिक राज्यों में खेल प्रवाह। जे मोहन सहगल एंड एम (एड्स), स्वास्थ्य मनोविज्ञान में हाल के परिप्रेक्ष्य (pp. 125-129) नई दिल्ली: अभिजीत प्रकाशन।

अच्छी तरह से, आरसी, ग्रीन लीस, आई ए, और वेस्टन, एन जे वी (2006). मनोवैज्ञानिक कौशल प्रशिक्षण का उपयोग कर फुटबॉल प्रदर्शन का विकास। एप्लाइड खेल मनोविज्ञान के जर्नल, 18, पृ.सं. 254-270.

Jooste, जे, स्टेन, बी जे एम, और वन्देबेर्ग, एल (2014). मनोवैज्ञानिक कौशल, पदों और अफ्रीकी युवा फुटबॉल टीमों के प्रदर्शन बजाना। स्पोर्ट में अनुसंधान के लिए दक्षिण अफ्रीका के जर्नल, शारीरिक शिक्षा और मनोरंजन, 36, पृ.सं. 85-100.

10 कर्ट, सी, Catikkas, एफ, Ömurlu, आई.के., और Atalag, ओ (2012). अकेलेपन की तुलना, विशेषता क्रोध क्रोध अभिव्यक्ति शैली, आत्मसम्मान फुटबॉल में अलग खेल पोजीशन के साथ विशेषताओं। शारीरिक शिक्षा और खेल के जर्नल, 12, पृ.सं. 39-43.

कॉक्स, आर एच, और हम आ गए, एच एस (1995). स्थितियां और अमेरिकी हॉकी में मनोवैज्ञानिक कौशल खेल रहा है। स्पोर्ट व्यवहार के जर्नल, 18, पृ.सं. 183-194.

Tenenbaum गेशॉन और एस एमी, "आक्रामकता और इस खेल में हिंसा" खेल मनोविज्ञान के जर्नल टवस.14(4) क्मब.2000, पृ.सं. 315-326.

H.W. फ्रैंक (2001). एथलीटों और विकासशील देशों में गैर एथलीटों के व्यक्तित्व प्रोफाइल, "शारीरिक शिक्षा के जर्नल और खेल विज्ञान 1% पृ.सं. 15-20.

डिक्सी ऐनी Grimmelt, "मनोवैज्ञानिक और महिला एथलीटों और गैर एथलीटों के बीच शारीरिक तुलना" शोध प्रबंध सार 40 (अगस्त 2002) 738-ए

Moffett, डी. जी. (2002). मनोवैज्ञानिक विशेषताओं और ओलंपिक चैंपियन में उनके विकास। एप्लाइड खेल मनोविज्ञान के जर्नल, 14 (3), पृ.सं. 172-204.

गुसा, वी.पी. (1968). "परसनैलिटी करेक्टरस्टिक्स ऑफ हॉकी चैम्पीयन्स" आई.एस.टी. एच.पी.आर.जनरल, जनवरी 1968 पृ.सं.18-2

जरशिन्ड, ए.टी. "किशोर मनोविज्ञान" बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

जोर्ज, जे. मोले "दी साइन्स ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, नई देहली, यूरेशिया पब्लिशिंग हाऊस लि., 1964, पृ. 112

जौहर. पी. "इनफ्लुएन्स ऑफ फिजिकल एजुकेशन ऑफ द पोस्ट एडोलसेन्ट गल्स" ए साइकलोजिकल स्टडी।

Corresponding Author

Ranjit A. Ingavale*

PhD Student, Kalinga University, Raipur

E-Mail – ranjithockey@gmail.com